

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 10 मार्च, 2016

विषय : वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में नगरपालिका परिषद, उत्तरकाशी को अवस्थापना विकास निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि नगरपालिका परिषद, उत्तरकाशी द्वारा अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत धनराशि की स्वीकृति हेतु नगर निकाय क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव/आगणन उपलब्ध कराये गये हैं। तत्क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगरपालिका परिषद, उत्तरकाशी को संलग्नक-1 में उल्लिखित विभिन्न निर्माण कार्य हेतु कार्यवार संस्तुत कुल ₹65.19 लाख (रूपये पैंसठ लाख उन्नीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन में रखे जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि ₹65.19 लाख (रूपये पैंसठ लाख उन्नीस हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अनुसार नगरपालिका परिषद, उत्तरकाशी को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
2. स्वीकृत निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
3. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।
4. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानको के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे।
5. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित तकनीकी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
6. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं योजनाओं/कार्यों पर किया जायेगा, जिस हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
8. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
9. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।
10. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।

11. उपरोक्त स्वीकृत कार्यों में यदि कोई कार्य किसी अन्य मद/योजना से करा लिया गया है, तो उक्त स्वीकृत कार्य के सापेक्ष धनराशि राजकोष में जमा करा दी जाय।
12. निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी नवीन एसओआरओ के अनुरूप पूर्ण कराए जायेंगे एवं कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
13. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में कार्यदायी संस्था द्वारा ठेकेदार के साथ किये जाने वाले Construction Agreement में एक वर्ष का Defect Liability Period तथा 3 वर्ष तक अनुरक्षण की शर्त भी रखी जायेगी।
14. धनराशि का दिनांक 31-3-2016 तक पूर्ण उपयोग कर, कार्य का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-13 के लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास- आयोजनागत-191-स्थानीय निकायो, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता- 03-नगरों का समेकित विकास-05-नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास"-20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता' के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 183/xxviii(1)/2012, दिनांक 28.03.2012 में सुनिश्चित व्यवस्थानुसार अलॉटमेंट आई डी-51603130254 के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डी०एस० गर्बाल)
सचिव।

सं०- 457(1)/IV(2)-शओवि०-2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी/शहरी विकास मंत्री जी।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
4. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, 23-लक्ष्मी रोड़, डालनवाला, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/संयुक्त निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि शहरी विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
9. अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, उत्तरकाशी।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

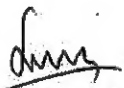
आज्ञा से,

(डी०एम०एस० राणा)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या: 457 /IV(2)-श0वि0-2015-53(सा0)14, दिनांक 18 मार्च, 2016 का संलग्नक।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	(धनराशि ₹ लाख में) स्वीकृत धनराशि
1.	काखुण्डीधार से मनीष चौहान के घर तक सी0सी0 दीवार निर्माण कार्य।	4.94
2.	सुलियाखेत से चमन चक्की तक सी0सी0 एवं दीवार निर्माण कार्य।	4.96
3.	प्रेम सिंह चौहान के घर से सुलियाखेत तक सी0सी0 नाली निर्माण कार्य।	4.89
4.	विजयपाल के मकान से राहुल चौहान के मकान तक दीवार एवं सी0सी0 निर्माण कार्य।	4.90
5.	सीवर लाईन के गेट से नौटियाल जी के मकान तक सी0सी0 दीवार निर्माण कार्य।	4.96
6.	भागवत के मकान से ब्रह्मानन्द के मकान तक सी0सी0 एवं दीवार निर्माण कार्य।	4.96
7.	हीरा सिंह के मकान से खजान सिंह चौहान के खेत तक सी0सी0 एवं दीवार निर्माण कार्य।	4.96
8.	हनुमान मंदिर से घाट तक सी0सी0 एवं दीवार निर्माण कार्य।	4.96
9.	प्रेम सिंह चौहान के घर से सुलियाखेत तक आम रास्ते की दीवार निर्माण कार्य।	4.94
10.	गंगोरी राष्ट्रीय राजमार्ग में क्षतिग्रस्त दीवार निर्माण।	2.90
11.	वार्ड नं0 05 में तेखला में अली खान के मकान के पास चेम्बर व नाली निर्माण कार्य।	2.98
12.	वार्ड नं0 05 में शर्मा के मकान से छमधार जाने वाले रास्ते पे सी0सी0 एवं दीवार निर्माण कार्य।	2.96
13.	गोफियारा में गजेन्द्र रावत के मकान से गदरे तक सी0सी0 दीवार निर्माण कार्य।	2.97
14.	गोफियारा में भट्ट के मकान से गजेन्द्र रावत के मकान तक सी0सी0 दीवार निर्माण।	2.97
15.	वार्ड नं0 05 में पूर्णा के मकान से शर्मा के मकान तक सी0सी0 एवं दीवार निर्माण।	2.96
16.	वार्ड नं0 05 में तेखला में हेमन्द्र के मकान के नीचे राजेन्द्र के मकान तक दीवार एवं नाली निर्माण कार्य।	2.98
योग-		65.19

(₹ पैंसठ लाख उन्नीस हजार मात्र)


(डी0एम0एस0 राणा)
उप सचिव।

